काव्यांजलि दैनिक सृजन

301 से 400

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

05/09/2020

301

शनिवार

हमारे शिक्षक

अगर हमारे शिक्षक न होते,
कौन सिखाता भाषा-वाणी ?
कौन सिखाता अक्षर ज्ञानी?
कौन सिखाता गिनती गानी?

अगर हमारे शिक्षक न होते,
कौन सिखाता आचार विचार?
कौन सिखाता शिष्टाचार?
कौन सिखाता मर्यादा-संस्कार?

अगर हमारे शिक्षक न होते,
कौन बताता जीवन का आधार?
कौन बताता भूखंड का विस्तार?
कौन बताता इतिहास का सार?

अगर हमारे शिक्षक न होते,
जीवन के सपने, अधूरे ही रहते।
जगत के रहस्य, उलझे ही रहते,
अगर हमारे शिक्षक न होते।।

रचना
दीपिका जैन (स०अ०)
प्रा० वि० बनगवां
सालारपुर, बदायूँ

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

05/09/2020

302

शनिवार

मेरा शिक्षक मेरा अभिमान

शिक्षक होता देश की शान,
शिक्षक होता देश का मान।
शिक्षक ही दिलवाता है,
शिष्यों को जग में पहचान।।

एक शिक्षक ने ही धनानंद के,
आतंक से मुक्ति दिलाई थी।
अपने प्रिय शिष्य चंद्रगुप्त में,
ज्ञान की ज्योति जलाई थी।।

एक शिक्षक ही अपने शिष्यों को,
सही राह दिखलाता है।
उनकी सुषुप्त शक्तियों को,
पुरुषार्थ से अपने जगाता है।।

आओ हम सब मिलकर अपने,
शिक्षकों पर करें अभिमान।
जिन्होंने अपनी तपस्या से,
बनाया भारत देश महान।।

रचना-
अमित बाबू (स० अ०)
प्रा० वि० करनपुर
बिसौली, बदायूँ

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। ---- 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

05/09/20

303

शनिवार

शिक्षक

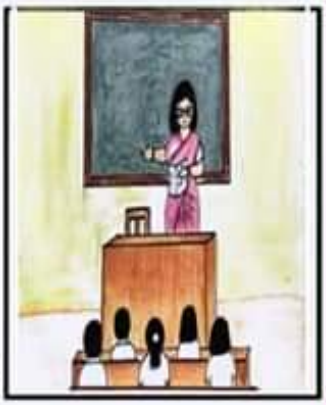

शिक्षक केवल गुरु नहीं, बनकर एक परिवार,
एक अकेला खे रहा, जल बीच नौका चार ।
बालक जब रोता हुआ, आए प्रथम दिन क्लास,
माँ बनकर के प्यार से, उसे बिठाए पास।।

कुछ दिन बीते वही गुरु, बनकर पिता समान,
सही जगह बिठला रहा, भरने नई उड़ान।
जब-जब उसको डर लगे, या हो कोई वहम,
बनकर उसकी बहन सम, दूर करे सब भ्रम।।

पढ़े-लिखे खाए पिए, या फिर खेले-खेल,
भाई सदृश वही गुरु, रखता उससे मेल।
दुख में उसके दुखित हो, खुशी में जो मुस्काय,
बालक का परिवार बन, शिक्षक उसे पढ़ाय।।

रचना-

पूनम गुप्ता (स०अ०)
प्रा० वि० धनीपुर
धनीपुर, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

5/9/2020 **304** शनिवार

मैं शिक्षक हूँ

मैं शिक्षक हूँ,
ज्ञान कि ज्योति जलाता हूँ।
विद्या के मंदिर का सेवक बनकर,
सबका पोषण करता जाता हूँ।।
मैं शिक्षक हूँ....

माँ कहलाती जीवनदायनी,
मैं भविष्य बनाता हूँ।
अज्ञानता का अंधकार मिटाकर,
सबको सबल बनाता हूँ।।
मैं शिक्षक हूँ ....

बच्चे होते कुसुम समान,
कच्ची माटी कहलाते।
विद्या रूपी धन देकर,
आकार देता जाता हूँ।।
मैं शिक्षक हूँ....

जीवन की कठिन डगर,
सरल कर पाया अगर।
गर्व से तब पीठ,
अपनी थपथपाता हूँ।।
मैं शिक्षक हूँ ....

रचना:
दीपिका वर्मा (स०अ०)
प्रा०वि० प्रथम मदरी
अमौली, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

5 सितम्बर 2020

305

शनिवार

प्यारी मैडम

प्यारी-प्यारी मेरी मैडम।
सबसे न्यारी मेरी मैडम।।

मुझे पढ़ाती, मुझे लिखाती,
हर बात मुझको समझाती।
कठिन सवाल जब मुझे ना आए,
उनको सरल बनाती मैडम।।

प्यारी-प्यारी मेरी मैडम।
सबसे न्यारी मेरी मैडम।।

हमको अच्छी बात सिखाती,
बुरा क्या होता, वह समझाती।
अच्छे बुरे का ज्ञान हमें देकर,
सही राह दिखाती मैडम।।

प्यारी-प्यारी मेरी मैडम।
सबसे न्यारी मेरी मैडम।।

रचना- हेमलता गुप्ता (स०अ०)
प्रा०वि० मुकन्दपुर
लोधा, अलीगढ़

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। ---- 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

04-09-2020

306

शुक्रवार

शिक्षक दिवस

शिक्षक कुम्हार है,
देता कच्ची मिट्टी को आकार है।
तरह तरह के रंगों से सजाता,
सुंदरता जीवन में है भरता।।

शिक्षक तो आधार इमारत,
जो नींव को मजबूत रखता।
आँधी तूफानों से लड़ता है,
दृढ़ता जीवन में भरता है।।

शिक्षक एक चरित्र निर्माता,
भले बुरे की पहचान कराता।
सही राह को है बतलाता ,
संस्कारों को जीवन में भरता।।

शिक्षक एक किसान है ,
बीज सभी तरह के हैं ।
सफल उन्हें बनाता है,
जग में वह इन्हें फैलाकर
भरता है जग में उजियारा ।।

नीलम कोटियाल
स० अ०
रा० प्रा० वि० आरस्यूँ
संकुल खाँकरा
जनपद रुद्रप्रयाग

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

शिक्षक का सम्मान

04-09-2020

307

शुक्रवार

शिक्षक दिवस
एक छात्र शिक्षक से

तुमने खोली मेरी ज्ञान से आंखें ,
कलम पकड़ना तुमने सिखलाया
चलना तो माता-पिता ने सिखाया
पर ज्ञान मार्ग तुमने सिखलाया।

अक्षर,शब्दों,अंकों से पहचान कराई ,
हर भाषा को हम समझ पाए ।
प्रश्न के उत्तर लिखते लिखते ,
जिंदगी प्रश्नों को हल करना सीखा।

अंग्रेजी- हिंदी पढ़ते समझते ,
निबंध लिखना सीख गए ।
जोड़,घटाना,गुणा-भाग करते।
मोल भाव करना सीख गए

तुम्हारे संरक्षण में गुरुवर हम,
सबका सम्मान करना सीख गए
मेहनत का फल मीठा , जान गए।
जाति धर्म से ऊंचा मानव धर्म ,
अटल सत्य तुमसे हम सीख गए ।

कोटि-कोटि नमन तुम्हारे चरणों में
जो सर उठा कर चलना सीख गए
जीवन के हर इम्तिहान में डट कर
हरदम लक्ष्य को पाना सीख गए।

उषा पंत
(स0अ0)
रा0प्रा0वि0 *मिताड़ीगॉव*
कनालीछीना
जनपद- *पिथौरागढ़*

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

05/09/2020

308

शनिवार

शिक्षक दिवस

शिक्षक तुम्हारा मान जग में,
युगों-युगों तक बना रहे।
सम्मान कभी ना घटने पाए,
सदा तुम्हारा नाम रहे।।

राह दिखाई हमको जो तुमने,
उसका सदा ही भान रहे।
सन्मार्ग पर जो चलना सिखाया,
सदा उसी का ध्यान रहे।।

शिक्षा की जो ज्योति जलाई,
हमें उसका अभिमान रहे।
जीवन का तुमने मतलब समझाया,
बढ़ता यूँ ही ज्ञान रहे।

सूर्य-चन्द्र हो मानव के तुम,
सबको राह दिखाते हो।
अन्धकार में डूबे को तुम,
रोशनी दिखलाते हो।।

भटके हुए जो राहों से,
तुम उनको राह दिखाते हो।
पथ प्रदर्शक ज्ञानपुंज उसके,
राह से जो भटका हो।।

सौ-सौ बार नमन करूँ मैं,
शिक्षा के उस दीपक को।
खुद मुसीबतें झेल कर भी,
औरों को रोशन करता जो।

कमला दफौटी (प्र०अ०)
रा० प्रा० वि० बानना
भीमताल, नैनीताल

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

05/09/2020

309

शनिवार

डॉ0 सर्वपल्ली राधाकृष्णन

व्यक्तित्व थे वे महान,
आज भी शिक्षक है जिनकी पहचान।
गरीब परिवार में जन्म लिया,
किन्तु लक्ष्य कितना ऊँचा किया?

छात्रवृत्ति की सहायता से शिक्षा ली,
फिर शिक्षक बनकर शिक्षा दी।
शिक्षाविद, महान दार्शनिक,
भारतीय संस्कृति के संवाहक।।

भारत रत्न से सम्मानित,
आस्थावान हिन्दू विचारक।
आजाद देश के पहले उपराष्ट्रपति बने,
फिर देश ने, दूसरे राष्ट्रपति चुने।।

सर्वोच्च लक्ष्य पा कर भी, थे वे निष्ठावान,
अब भी 'शिक्षक' बताते अपनी पहचान।
उस अनमोल रत्न को, शत-शत प्रणाम,
डॉ० सर्वपल्ली राधाकृष्णन, जिनका नाम।।

आओ प्रेरणा लें, लें यह गूढ़ ज्ञान,
परिश्रम करके बनें, जग में महान।।

श्रीमती अनिता नौडियाल
(स0अ0)
रा0 प्रा0 वि0 मैखण्डी मल्ली
कीर्तिनगर, टिहरी गढ़वाल

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

05/09/2020

310

शनिवार

"डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन"

'बाल्यावस्था' से होता शुभारम्भ,
शिक्षा आरम्भ, दीक्षा आरम्भ।
उठने, बैठने की समीक्षा प्रारम्भ,
गुरु से होता परिचय प्रारम्भ ।।

चिंतन,मनन और ज्ञान -अर्जन ,
शिक्षक महान व सर्वोत्तम।
'डॉ० सर्वपल्ली राधाकृष्णन'
आदर्श व्यक्तित्व व शुद्ध आचरण।।

जन्म दिवस है 'पाँच सितम्बर',
याद में 'शिक्षक दिवस'यह प्रति वर्ष।
'द्वितीय' राष्ट्रपति ,और समीक्षक ,
शिक्षा शास्त्री और राष्ट्र -भक्त ।।

'बहुमुखी' प्रतिभा में धनवान,
मिला 'भारत-रत्न' का सम्मान।
'नाइट बैचलर' 'टैम्पलटन प्राइज',
अनमोल विचारो के 'कर्णधार '।।

रचनात्मकता का विकास शिक्षा ,
सत्य की खोज 'आज' और सदा।
स्वतंत्र विचार हो और विश्वास,
'ज्ञान की शक्ति' से सजे समाज ।।

माया गुरुरानी (स०अ०)
रा०आ०प्रा०वि०धौलाखेड़ा
हल्द्वानी(नैनीताल)

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। ---- 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

06/09/2020

311

रविवार

एरोप्लेन की सैर

टीटू बंदर घर से निकला,
एरोप्लेन से करने सैर।
मन में लड्डू फूट रहे थे,
पड़ते क्यों धरती पर पैर।।

सोच रहा था खिड़की वाली,
कुर्सी पर मैं जाकर बैठूँ।
कैसी लगती है ऊपर से,
धरती को जी भरकर देखूँ।।

जो कुछ खाने को आयेगा,
वो सब मैं जम कर खाऊँगा।
मोबाइल से फोटो ले कर,
सब मित्रों को दिखलाऊँगा।।

इतने में ऊपर डाली से,
टीटू धरती पर आ टपका।
हड्डी टूटी, पसली टूटी,
टूट गया सपना टीटू का।।

रचना-
अजीत रस्तोगी "सुभाषित" (स०अ०)
पू० मा० वि० सिरासौल-सीताराम
अंबियापुर, बदायूँ

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

6 सितम्बर 2020

312

रविवार

तर्ज- किसी ने कहा है मेरे दोस्तों

बगिया के फूल

नजर वो हमेशा जो देखे भलाई,
जुबाँ वो किसी की न करे बुराई।
इस बगिया के फूल हो तुम बच्चों,
महकते रहो, चहकते रहो, तुम सदा खुश रहो।।

अपने बड़ों का तुम सम्मान करना,
कभी भी किसी का न अपमान करना।
सबसे हँसके मिलो, जब किसी से मिलो,
सदा याद रखो प्यारे बच्चों।।
महकते रहो.....

कभी भी किसी से तुम बैर न करना,
किसी की मदद को कभी देर न करना।
जो मदद को पुकारे, आके पास तुम्हारे,
तुम उसकी मदद को तैयार रहो।।
महकते रहो.....

सदा सत्य का तुमको साथ है देना,
कभी भी असत्य का साथ न देना।
कोई करे जो बुराई, तुम करना भलाई,
मानवता की राह पर चलते रहो।।
महकते रहो.....

रचना- जितेन्द्र कुमार (स०अ०)
प्रा० वि० धनौरा सिल्वर नगर-1
बागपत

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

6/9/2020

313

रविवार

कैसे करें पढाई

स्कूल हमारे बंद हुए,
अब कैसे करें पढ़ाई?
छूट गए सब दोस्त सखा,
अब किससे करें लड़ाई?

घर में खाने को नहीं है आटा,
मोबाइल में कैसे डलवाएं डाटा।
स्कूल जाना अब हमें है भाता,
घर में कुछ भी समझ ना आता।।

पहले प्रार्थना करते थे हम,
स्कूल बंद होने की।
अब प्रार्थना करते हैं हम,
स्कूल खुल जाने की।।

आज समझ आया है शिक्षा का मोल,
आज याद आते हैं हमें।
अपनी मैडम के वो बोल,
कि पढ़ाई है सब रत्नों में अनमोल।।

शिल्पी वार्ष्णेय (स०अ०)
प्रा० वि० मुकन्दपुर
लोधा, अलीगढ़

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। ---- 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

शिक्षक का सम्मान

06-09-2020

314

रविवार

सदाचार

आओ बच्चों तुम्हें बताऊं,
बातें सदाचार की।
सुखी जीवन के सार और,
जीवन के आधार की।।

छोटों को तुम प्यार देना,
बड़ों को सम्मान तुम।
प्रेम सहित पैरों को छू कर,
लेना आशीर्वाद तुम।।

चोरी, झूठ, कपटता से,
रहना सदा दूर तुम।
प्रेम, सत्य और कर्म से,
नाता रखना भरपूर तुम।।

निर्धन, लाचारों की मदद,
करते रहना भरपूर तुम।
सद्गुणों को अपनाकर,
दुर्व्यसनों से रहना दूर तुम।।

रचना
सपना (स०अ०)
प्रा० वि० उजीतीपुर,
भाग्यनगर, औरैया

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

6 सितम्बर 2020

315

रविवार

अहंकार

तर्ज - मिलो ना तुम तो हम घबराए

मुख न मोड़ो,रिश्ते ना तोड़ो।
ना करो तिरस्कार, बुरा होता है अहंकार।।
अभी समय है सुधरजा, वरना समय निकल जाएगा, हाँ जाएगा।
माटी का है तू पुतला, माटी में ही मिल जाएगा, हाँ जाएगा।।
फिर क्या कपड़े, फिर क्या पैसे,
क्या ये अलंकार? बुरा होता है अहंकार।।

कटु व्यवहार ना कर तू, जीवन नरक बन जाएगा, बन जाएगा।
मित्रों का संग जो छूटा, तू अकेला पड़ जाएगा, पड़ जाएगा।।
दान तू कर ले, दया तू कर ले,
कर ले प्रभु की पुकार, बुरा होता है अहंकार।।

क्या तेरा क्या लाया, सोचकर जो तू इठलाया है, इठलाया है।
तन से प्राण जो निकले, फिर क्यों इतना घबराया है, घबराया है।।
रिश्ते टूटेंगे, सब रूठेंगे,
करेगा ना कोई प्यार, बुरा होता है अहंकार।।

कर्म तू ऐसे कर ले, सबके दिलों में तेरा राज हो, हाँ राज हो।
मर भी जाए पर, जीवित तेरा अंदाज हो, अंदाज हो।।
अभी समय है सोच घमंडी,
कर ले परोपकार, बुरा होता है अहंकार।।

रचना- हेमलता गुप्ता (स०अ०)
प्रा०वि० मुकन्दपुर
लोधा, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

06/09/2020

316

रविवार

माँ

जीवन का आधार होती है माँ,
हर बच्चे का संसार होती है माँ।
ईश्वर का दिया एक उपहार होती है माँ,
हर एक घर की रौनक होती है माँ।।

हमारे गम और दर्द को जमा करने वाला,
एक बैंक होती है माँ।
हर चेहरे की मुस्कान होती है माँ,
जीवन का आधार होती है माँ।।

खोयी है जिन्होंने दुनिया में आते ही माँ,
कभी जाकर पूछो उनको क्या होती है माँ?
नसीब वाले होते हैं वह लोग,
जिनके हरदम पास होती है माँ।।

जब थक जाता है मन-मस्तिष्क और
शरीर तो याद आती है माँ।
अपने आँचल में छुपा कर प्यार से,
सहला कर हर थकान मिटा देती है माँ।।

हर बला को अपनी दुआओं से,
टाल देती है माँ,
जीवन का आधार होती है माँ।
हर बच्चे का संसार होती है माँ।।

दुर्गा भट्ट (स०अ०)
रा० आ० प्रा० वि० चोपता
रूद्रप्रयाग

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

7/9/2020

317

सोमवार

मन भाते बच्चे

सबकी प्यारी मीठी-बोली,
भाती मन को सारी टोली।
कोई बड़ा न कोई छोटा,
सब मिलकर के करें ठिठोली।।

राजा-बेटा राज-दुलारी,
बैठ बनाएंगे रंगोली।
बाबा-दादी देख खुश हुए,
छोड़ी अपनी माला-झोली।।

पूजा करने सभी चलेंगे,
रखो थाल में चावल, रोली।
गाजर, मूली, खीरे खाओ,
बर्गर को तुम मारो गोली।।

देखो ऋतु बसंत की आई,
रंगों से खेलो तुम होली।
प्रेम-भाव आपस में रखना,
सबकी सूरत लगती भोली।।

रचना- नैमिष शर्मा (स०अ०)
परि० संवि० (पू०मा०) वि० तेहरा
मथुरा, मथुरा

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

7 सितम्बर 2020

318

सोमवार

शिक्षक हूँ मैं

शिक्षक हूँ मैं बस एक शिक्षक हूँ,
विद्या ज्ञान का रक्षक व प्रेरक हूँ।
कभी ना घबराता मैं, चट्टानों से भी टकराता हूँ,
राह में आएं रुकावटें अनेक, राह पार कर जाता हूँ।।

मैं मार्गदर्शक, पथ-प्रदर्शक नित,
नए आयाम हल कर जाता हूँ।
अंधेरे में ज्ञानदीप जलाकर,
शिक्षा का ध्वज फहराता हूँ।।

मिटा अशिक्षा के तम को,
सूर्य किरण बन जाता हूँ।
कभी माता कभी पिता,
कभी दोस्त बन जाता हूँ।।

कुम्हार की भांति अपने शिष्यों को,
फिर सही रूप आकार दे पाता हूँ।
मै युग निर्माता, देश के भावी निर्माता,
भाग्यविधाता से ऊँचा स्थान पाता हूँ।।

फिर मैं क्यों घबराता व,
सहमा-सहमा रहता हूँ।
सदाचार व अनुशासन का, पाठ पढ़ाते-पढ़ाते,
खुद ही सदाचारी व, अनुशासित बन जाता हूँ।।

रचना- मनोज कुमारी (प्र०अ०),
प्रा० वि० गौरीपुर जवाहर नगर,
बागपत, बागपत

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। ---- 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

7 सितम्बर 2020

319

सोमवार

गुब्बारे वाला

हरे, गुलाबी, नीले, पीले,
गुब्बारे लेकर वो आता।
आओ चुन्नू,आओ मुन्नू,
जोर-जोर से है चिल्लाता।।

देखो कितने सुंदर हैं ये,
कितने प्यारे लगते हैं।
महँगा नहीं है मोल इनका,
एक रुपये में बिकते हैं।।

मुन्नी बोली मुझको दे दो,
पाँच रुपये हैं मेरे पास।
ललचाया सा एक बच्चा,
राजू खड़ा हुआ है उदास।।

राजू तुम भी दौड़कर जाओ,
घर से पैसे ले आओ।
तुमको भी गुब्बारे दूँगा,
जिस रंग के भी तुम चाहो।।

अच्छा अब मैं चलता हूँ,
देखो कल फिर आऊँगा।
रंग-बिरंगे, प्यारे-प्यारे,
गुब्बारे फिर से लाऊँगा।।

रचना- जितेन्द्र कुमार (स०अ०)
प्रा० वि० धनौरा सिल्वर नगर-1
बागपत

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

शिक्षक का सम्मान

7/9/2020

320

सोमवार

मेरा छाता

रंग-बिरंगा मेरा छाता,
कितना प्यारा-प्यारा है।
लाल-हरा और नीला-पीला,
रंगीला ये न्यारा है।।

पापा के आफिस तक जाता,
संग मेरे स्कूल है जाता।
माँ देखो बाजार घुमाती,
सबका सहयोगी है छाता।।

जब होती है टिप-टिप बारिश,
नीचे इसके हम आ जाते।
और कड़ी जब धूप सताती,
छाते में हम हैं छुप जाते।।

संगी-साथी हर मौसम का,
कभी नहीं जो छोड़े साथ।
तेज धूप हो या बारिश हो,
बनकर दोस्त पकड़ता हाथ।।

रचना

शिखा वर्मा (इं० प्र० अ०)
पू० मा० वि० स्योढ़ा,
बिसवां, सीतापुर

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। ---- 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

7 सितम्बर2020

321

सोमवार

शिक्षक

ज्ञान का सागर हो जिसमें,
शिक्षक वो कहलाता है।
शिक्षक मंदिर जैसी पूजा,
माता-पिता का नाम है दूजा।।

सही गलत का भेद सिखाते,
हैं वो हमारे प्यारे शिक्षक।
शिक्षक जो ना देखे जात-पात,
शिक्षक वो जो ना करे पक्षपात।।

छोटा या बड़ा, धनी या निर्धन,
शिक्षक को देते सब सम्मान।
अक्षर-अक्षर हम सिखाते,
जोड़-जोड़ फिर शब्द बताते।।

जोड़, घटाना, गुणा सिखाते,
जीवन की पहेली सुलझाते।
रास्ते की सारी कठिनाई जो,
वो पल भर में भूल जाते।।

रचना-
शिप्रा सिंह (स०अ०)
प्रा०वि० रुसिया
अमौली, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

07/09/2020

322

सोमवार

जम के बरसो मेघा रे

मेघा रे! मेघा रे!
काले-काले मेघा रे!
मेघा रे! मेघा रे!
सावन में आए मेघा रे!

मेघा रे! मेघा रे!
घिर-घिर आए मेघा रे!
मेघा रे! मेघा रे!
जम के गरजो मेघा रे!

मेघा रे! मेघा रे!
खुशियाँ लाए मेघा रे!
मेघा रे! मेघा रे!
गर्मी भगाओ मेघा रे!

मेघा रे! मेघा रे!
हरियाली लाए मेघा रे!
मेघा रे! मेघा रे!
जम के बरसो मेघा रे!

रचना-
अमित बाबू (स० अ०)
प्रा० वि० करनपुर
बिसौली, बदायूँ

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

शिक्षक का सम्मान

07/09/2020

323

सोमवार

तितली

बाग की शान
करती मधुपान
पुष्प मुस्कान

रंग बिखेरे
तितली करे फेरे
बाग में डेरे

मन लुभाती
तितली इठलाती
हाथ न आती

तितली आँखें
हर ओर से झाँकें
बनी झरोखे

विधा- हाइकु

तितली रानी
रंग लाल या धानी
बड़ी मस्तानी

आई तितली
तीव्र जैसे बिजली
बच निकली

रचना
फराह हरून (प्र०अ०)
प्रा० वि० मड़िया भासी
सालारपुर, बदायूँ

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

शिक्षक का सम्मान

07/09/2020

324

सोमवार

SCHOOL

Tan-tan-tan-tan,
Run-run, run-run,
Going to school.

Work done, work done,
Eat bread and bun,
Study at school.

Fun-fun, fun-fun,
Play more and won,
Learn at school.

One-one, one-one,
Every teacher number one,
And wonderful school.

Written by-
Aamir Farooq
U.P. S.-Aurangabad Mafi
Salarpur, Budaun

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

07/09/2020

325

सोमवार

फूलों की सतरंगी दुनिया

फूलों की सतरंगी दुनिया,
सुन्दर, प्यारी और निराली।
आँखों को सुख देते हैं ये,
फैलाते खुशबू मतवाली।।

तितली, भँवरे इनके साथी,
जो इनको हैं गीत सुनाते।
फूल बड़े दिल वाले होते ,
जो काँटों को भी अपनाते।।

फूलों से ही पौधे सारे,
मीठे फल और बीज बनाते।
बीजों को मिट्टी में बो कर,
प्यारे-प्यारे वृक्ष उगाते।।

फूलों की सुन्दर दुनिया को ,
ख़ुद समझो सबको समझाओ।
पौधे धरती की शोभा हैं,
सब मिलजुल कर पेड़ लगाओ।।

रचना-
अजीत रस्तोगी "सुभाषित" (स०अ०)
पू० मा० वि० सिरासौल-सीताराम
अंबियापुर, बदायूँ

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान
काव्यांजलि - दैनिक सृजन
07/09/2020
326
सोमवार

आसमान में टिम-टिम तारे

कितने प्यारे नन्हे तारे,
आसमान के राजदुलारे।
चंदा की चम-चम चमक,
देखो कितने रहे दमक।।

कुछ इनमें अति चमकीले,
जैसे हों चम-चम से तारे,
चंदा मामा चमक रहे हैं,
काले रंग पर लाख सितारे।।

आसमान में बादल छाए,
मानो जैसे मखमल छाए,
बादल राजा के आ जाने से,
सहम गए हैं लाखों तारे।।

छिप-छिप कर चमक रहे हैं,
आसमान में चाँद और तारे।
बारिश आई झम-झम-झम से,
नजर न आए लाखों तारे।।

रचना-
रजत कमल वार्ष्णेय (स०अ०)
प्रा० वि० खंजनपुर
इस्लामनगर,बदायूँ

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

शिक्षक का सम्मान

07/09/2020

327

सोमवार

नारी शक्ति

नारी तू अबला नहीं
तू सशक्त वीर क्षत्राणी है।
बाहर से जितनी कोमल है
भीतर उतनी पाषाणी है।।

घर सँभालती कुशलता से,
उतनी ही कुशल सेनानी है।
तू सजग सीमा प्रहरी
और सफल विज्ञानी है।।

तू महान लेखिका
शिक्षिका बनी सयानी है।
कोई ऐसा क्षेत्र नहीं
जहाँ तेरी प्रतिभा अनजानी है।।

कठिन चुनौतियों में भी तूने
कभी हार कहीं भी नहीं मानी है।
धरती की तो बात ही क्या
तूने अम्बर छूने की ठानी है।।

नारी शक्ति को पहचानो,
न समझे अगर नादानी है।
यह शक्ति नहीं कोई मामूली
यह तो अद्भुत वरदानी है।।

सोनिका शर्मा (स0अ0)
रा 0प्रा0 वि0 धीमरखेड़ा नवीन
काशीपुर, जनपद उधमसिंह नगर

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

8/9/2020

328

मंगलवार

उपयोगी पेड़

पेड़ हमारे जीवन दाता,
कितनी चीजें मिलती।
फल, छाया और ईंधन देते,
औषधि भी है मिलती ।।

पेड़ों से ही इस धरती पर,
यह सुन्दर संसार सजा है।
पेड़ों से ही जीवन में नित,
नूतन हर संगीत बजा है।।

धरती पर बारिश की,
ठण्डी बूंदें आतीं पेड़ों से।
सब पशु-पक्षी, जीव-जन्तु भी,
भोजन पाते पेड़ों से।।

आओ मिलकर सारे बच्चे,
एक पेड़ को लगायें।
धरती की हरियाली,
और ये पर्यावरण बचायें।।

रचना
शिखा वर्मा (इं०प्र०अ०)
पू० मा० वि० स्योढ़ा,
बिसवां, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

8 सितम्बर 2020

329

मंगलवार

कलम

लेखक की है ये शान,
शिक्षक का ये स्वाभिमान।
पत्रकार का है सम्मान,
विद्यार्थी का जीवनदान।।

कलम होती बड़ी महान,
समेटे है अथाह ज्ञान।
इसकी महिमा का कोई,
कर न पाया है बखान।।

छोटा-सा है इसका तन,
स्याही इसका आभूषण।
सब रत्नों की है ये खान,
इसका धारक बने इंसान।।

ईश्वर का ये है वरदान,
इसके गुण हैं आलीशान।
तलवार से भी है तेज,
कभी न इसको छोटा जान।।

रचना- जितेन्द्र कुमार (स०अ०)
प्रा० वि० धनौरा सिल्वर नगर-1
बागपत

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। ---- 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

08/09/2020

330

मंगलवार

Means of transport

There is a big bus,
running on the road.
In the river,
floating a boat.

On railway track,
running a train.
In the air flying,
an aeroplane.

A big Bullock Cart,
walking on the street.
A beautiful car,
gives me greet.

Bicycle has two wheels,
rickshaw has three.
A wonderful ship,
floating in the sea.

Scooter, bike and van,
running on the road.
All of these are,
means of transport.

Written by_Farah Haroon(H.T)
P.S Madhiya Bhansi Salarpur
(Budaun)

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। ---- 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

08/09/2020

331

मंगलवार

"सीख सको तो सीखो"

सत्य मार्ग पर चलना सीखो,
नहीं किसी को छलना सीखो।
बुरे कार्य से बचना सीखो,
मान बड़ों का करना सीखो,
अच्छी पुस्तक पढ़ना सीखो।।

प्रेम देश से करना सीखो,
अनुशासन में रहना सीखो।
लोगों के दुख हरना सीखो,
मिलजुल कर तुम रहना सीखो।।

प्यार का अमृत पीना सीखो,
संघर्षों से हँसना सीखो।
सदा शान से जीना सीखो,
कड़वी बातें तजना सीखो।।

मीठी बातें कहना सीखो,
नहीं किसी से डरना सीखो।
नई-नई नित रचना सीखो,
चित कसौटी कसना सीखो।।

बिमला बहुगुणा (स० अ०)
रा० उ० प्रा० वि० बडोन
कीर्तिनगर, टिहरी गढ़वाल

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

9/9/2020

332

बुद्धवार

साक्षरता-गीत

आओ सब मिल चलो पढ़ो मेरे भैया...2
चलो रे चलो, हाँ सब चलो रे चलो,
जहाँ ज्ञान मिले हाँ, सम्मान मिले...

कितनी मुश्किल होती है जब,
खुद को न हो कोई ज्ञान हो...
कदम-कदम पर आती अड़चन,
मिलता नहीं सम्मान हो...।।

अब तक जैसे-तैसे बीती ये उमरिया,
आओ सब मिल चलो पढ़ो मेरे भैया...
चलो रे चलो, हाँ सब चलो रे चलो,
जहाँ ज्ञान मिले हाँ, सम्मान मिले...

कितनी बार हाँ कितनी बार है,
तेरा हुआ अपमान हो...
इस जीवन की सच्ची महत्ता,
शिक्षा से ही है, जान हो...।।

वरना उड़ेगी तेरी हँसी मेरे भैया,
आओ सब मिल चलो पढ़ो मेरे भैया...
चलो रे चलो, सब चलो रे चलो,
जहाँ ज्ञान मिले हाँ, सम्मान मिले...

शिखा वर्मा (इं०प्र०अ०)
पू० मा० वि० स्योढ़ा,
बिसवां, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

शिक्षक का सम्मान

09-09-2020

333

बुधवार

बेटी के मन की बातें

ख़्वाब सजाया जो माँ तूने, सच करके दिखलाऊँगी।
पढ़-लिखकर एक दिन मैं भी, रानी बिटिया कहलाऊंगी।।
विद्यालय में खूब लगा मन, हर विषय समझ कर आऊँगी।
गृहकार्य समाप्त कर माँ तेरे, काम में हाथ बटाऊंगी।।

दिन-रात की परवाह किये बिन, पाठ अपने दोहराउंगी।
यदि दिन में न पढ़ पाई, तो देर रात जाग पढ़ जाऊँगी।।
सुंदर-सुंदर लेख लिख कर, गुरुजन आशीष पाउंगी।
काम समय से पूरा कर, आज्ञावान शिष्या कहलाऊंगी।।

पढ़-लिख अफ़सर बनकर, जग में तब नाम कमाऊंगी।
परिवार का सहारा बनकर, घर- आँगन महकाउंगी।।
बेटी भी बेटों से कम न, सिद्ध करके दिखलाऊँगी।
समाज की विचारधारा को, परिवर्तित कर दिखलाऊँगी।।

रचना
सुप्रिया सिंह
प्रा० वि० बनियामऊ- प्रथम
मछरेहटा, सीतापुर

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। ---- 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

9/9/2020

334

बुद्धवार

हिंदी-इंग्लिश शब्द-संपदा

हिंदी में कहते सिर, इंग्लिश में Head,
खोपड़ी को Skull, माथा Forehead.
काला Black, बालों को कहें Hair,
आँखें Eyes, दो को कहें Pair.

पलक Eyelid, भौंह Eyebrow,
तीर को Arrow, फैंकने को Throw.
सूँघना Smell, नाक को कहें Nose,
लाल को Red, गुलाब को कहें Rose.

दो होते Two, नथुनों को कहें Nostrils,
मिटाती वो Rubber, जो लिखे वो Pencil.
दाँतों को Teeth, हँसने को Laugh,
पूरा-भरा Full, आधा-भरा Half.

जीभ को Tongue, होठों को Lips,
ठोड़ी को Chin, गालों को Cheeks.
बोलने को Speak, सुनने को Hear,
दूर को कहते Far, पास को कहें Near.

रचना- नैमिष शर्मा (स०अ०)
परि० संवि० (पू०मा०) वि० तेहरा
मथुरा, मथुरा

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। ---- 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

9 सितम्बर 2020

335

बुद्धवार

पुस्तक

पुस्तकों में है ज्ञान अपार,
समाया इनमें सब संसार।
बुद्धिमान वो बन जाता है,
जो भी इनसे करता प्यार।।

हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत आदि,
अनेक भाषाएं इनका परिवार।
इतिहास, भूगोल, विज्ञान, गणित,
सब विषयों का है इनमें सार।।

ज्ञानी लोग इन्हें हैं कहते,
वृहद ज्ञान का एक भण्डार।
शिक्षक और विद्यार्थियों के,
जीवन का ये हैं आधार।।

पुस्तकालयों में लगी हुई है,
अनेक पुस्तकों की भरमार।
पढ़ते जो इन्हें ध्यान लगाकर,
उनका करती हैं उद्धार।।

रचना- जितेन्द्र कुमार (स०अ०)
प्रा० वि० धनौरा सिल्वर नगर-1
बागपत

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। ---- 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

शिक्षक का सम्मान

09/09/2020

336

बुद्धवार

"प्यारा-न्यारा मेरा हिंदुस्तान"

मेरा राष्ट्र गंग फुहार,
भाषाओं में प्रेम अपार।
सातों तानों से गुणगान,
देखो मेरा देश महान।।

बीहू-होली-ईद बहार,
मेले-ठेले-चाट-बघार।
"भा" की आभा पा सुखवान,
प्यारा-न्यारा देश महान।।

दाता सूर्यकांति सुभोर,
देता संतो को एक ठौर।
ईशा-कृष्णा का गुणगान,
लोकों में ऐसा गुणवान।।

कोरोना को भी कर मात,
पापी को मारे एक लात।
माटी में पाऊं भगवान,
ऐसा मेरा देश महान।।

रचना-

प्रतिभा भारद्वाज (स०अ०)
पू०मा०वि० वीरपुर छबीलगढ़ी,
जवां, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

09/09/20

337

बुद्धवार

उम्मीद

उम्मीद का दामन थाम के तू चलता चल।
साहस को हृदय में भर के आज निकल।।

तू चाहे तो पैदा कर दे,
पत्थर से चिंगारी,
बंजर धरती में खिला दे,
इक पुष्पित फुलवारी ,
घोर निराशा के कांटो से बचता चल।
उम्मीद का दामन थाम के तू चलता चल।।

आंधी तूफानों से तूने,
हार कभी ना मानी,
फौलादी सीने पर तूने,
खूं से लिखी कहानी,
विचलित ना हो, कंकड़ों से, तू संभल।
उम्मीद का दामन थाम के तू चलता चल।।

पूनम गुप्ता (स० अ०)
प्रा० वि० धनीपुर
धनीपुर, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

09/09/2020

338

बुद्धवार

"बेसिक के बच्चे"

हम बेसिक के बच्चे हैं,
मन के सच्चे-सच्चे हैं।
शिक्षा की अलख जगाते हैं,
हम पढ़ते और पढ़ाते हैं।।

अब्दुल कलाम और गांधी जी,
भगत सिंह और आज़ाद जी।
इनके जीवन को पढ़कर,
उन सा बनने को तत्पर।।

हम सोने जैसे कुंदन हैं,
मेहनत की आग में तपते हैं।
नन्हे-मुन्हे हाथों से हम,
तक़दीर सँवारा करते हैं।।

कुछ कड़वे है, कुछ मीठे हैं,
जीवन के अनुभव खट्टे हैं।
खेतों में धान रोपते हैं,
संग में सपनो को बोते हैं।।

रचना

श्रेया द्विवेदी (स०अ०)
प्रा० वि० देवीगंज प्रथम
कड़ा, कौशाम्बी

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

09/09/2020

339

बुद्धवार

अच्छा इंसान

जो सब में ढूंढे अच्छाई, देता जो सबको सम्मान।
वह होता सच्चा इंसान, वह होता अच्छा इंसान।।

जो गैरों की पीड़ा का विष, अमृत जैसे पी लेता है,
रोज अभावों में रहकर भी, सुख से जीवन जी लेता है।
जो शापित लोगों को देता मंगलमय फल का वरदान,
वह होता सच्चा इंसान, वह होता अच्छा इंसान।।

जो समुचित उपयोग है करता, इस धरती के संसाधन का,
हर क्षण खूब सँजो कर रखता, जैसे ध्यान रखें हम धन का।
प्रेम, दया, करुणा का होता, मित्रों जो सच्चा प्रतिमान,
वह होता सच्चा इंसान, वह होता अच्छा इंसान।।

जो पिछड़ों का जोश बढ़ा कर, अग्रिम गिनती में लाता है,
नर सेवा में नारायण की, सेवा का जो सुख पाता है।
घर को मंदिर जिसने माना, मात-पिता जिसके भगवान,
वह होता अच्छा इंसान, वह होता अच्छा इंसान।।

रचना-
अजीत रस्तोगी "सुभाषित" (स०अ०)
पू० मा० वि० सिरासौल-सीताराम
अंबियापुर, बदायूँ

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। ---- 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

09/09/2020

340

बुद्धवार

खेल-खेल में सीखो संस्कृत

आम्रम् आम को, पत्रम् पत्ते को,
वृक्ष: को पेड़ कहते हैं।
शुक: तोते को, वक: बगुले को,
वर्तक: को बत्तख कहते हैं।।

वृषभ: बैल को, सिंह: शेर को,
कुक्कुर: को कुत्ता कहते हैं।
अजा बकरी को, अश्व: घोड़े को,
मूषक: को चूहा कहते हैं।।

भ्राता भाई को, भगिनी बहन को,
माता को मम्मी कहते हैं।
कमलम् कमल को, कलिका कली को,
पुष्पम् को फूल कहते हैं।।

घटिका घड़ी को, दर्पण: शीशे को,
खट्वा को चारपाई कहते हैं।
जलम् पानी को, सरिता नदी को,
नौका को नाव कहते हैं।।

रचना-
अमित बाबू (स० अ०)
प्रा० वि० करनपुर
बिसौली, बदायूँ

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। ---- 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

09/09/2020

341

बुद्धवार

बूझो पहेली-पहचान कौन?

तीन अक्षर का मेरा नाम
उल्टा सीधा एक समान।
खाने के मैं काम आऊं,
झट खाने को चट कर जाऊं।।

आरी से मैं काटी जाऊं,
चार पैर पर खड़ी हो जाऊं।
चार कोण है मेरे अंदर,
कुर्सी संग मैं दिखती सुंदर।।

छेद अनेक हैं मेरे अंदर,
गोल-गोल मेरा आकार।
किचन में हूँ तो काम करो,
कढ़ाई में हूँ तो काम करो।।

उत्तर-1- चम्मच 2- मेज 3- करछुली 4- चूल्हा।

हवा लगे तो आग जले,
आग जले तो दाल गले।
दाल गले फिर रोटी बन जाये,
झट सब मिलकर रोटी खाये।।

रचना-
रजत कमल वार्ष्णेय (स०अ०)
प्रा० वि० खंजनपुर
इस्लामनगर,बदायूँ

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

09/09/2020

342

बुद्धवार

पानी

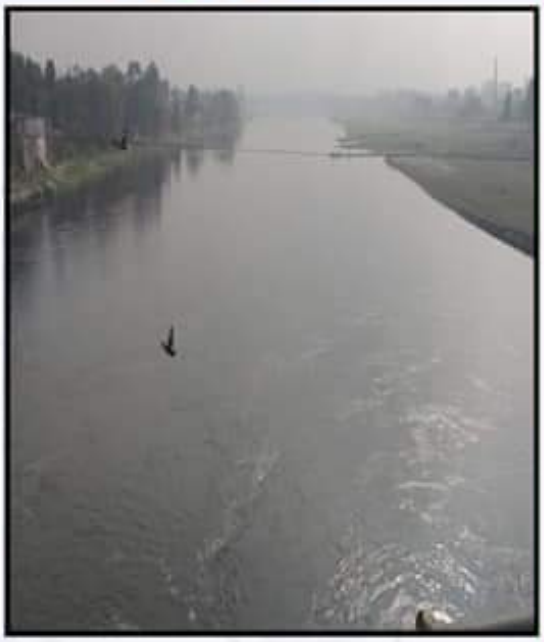

पानी की है, बात निराली,
देता सबको, जीवन हरियाली।
इसका रंग न, रूप है कोई,
ना आकार न, स्वरूप है कोई।।

जिस रंग में, इसको घोलोगे,
उस रंग का, पानी बोलोगे।
अपने आप में, है यह विचित्र,
पानी से ही दुनिया का चित्र।।

कभी ठोस-द्रव, और गैस बन जाता,
पर ढ़लकर, फिर पानी बन जाता।
नदियाँ नहरें, पानी से बहती,
कभी ना ठहरो, हमसे यह कहती।।

पानी से है, सबका जीवन,
फूल-क्यारी, वन और उपवन।
पानी बिन, जीवन बेकार,
पानी बचाओ और करो उपकार।।

नीतू कुमारी (स०अ०)
प्रा० वि० सादातपुर नाचनी
इस्लामनगर, बदायूँ

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

09/09/2020

343

बुद्धवार

भारत देश

भारत देश हमारा है,
यह प्राणों से प्यारा है।
दुनिया भर से न्यारा है,
जग का राज दुलारा है।।

मस्तक पर है स्वर्ग धरा का,
कश्मीर कहलाता है।
अडिग हिमालय रक्षा करता,
गाथा वीर सुनाता है।।

कृष्णा, गोदा, कावेरी,
गंगा, यमुना बहती हैं।
भूमि सिंचित करती हैं,
जीवन सबको देती हैं।।

पश्चिम में है कच्छ का रण,
दक्षिण में सागर बहता है।
उत्तर में बर्फीली चोटी,
पूरब सबका मन मोहता है।।

रचना
दीपक तिवारी दिव्य (स०अ०)
संविलियन वि० असरासी
कादरचौक, बदायूँ

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

09/09/2020

344

बुधवार

"माँ की ममता"

बाहर से आ बालक ने जब,
माँ का आँचल पकड़ा।
उठा गोद में बालक को उसने,
बाँहों में यूँ जकड़ा।।

निहार प्यार से सिर को,
उसके जब सहलाया।
पानी ममता बन माँ की,
आँखों में भर आया।।

नन्हा नहीं समझ सका,
माँ की यह ममता।
क्योंकि इस दुनिया का अभी,
नहीं था उसे पता।।

छोटे बच्चे का हृदय भी,
होता है बड़ा विशाल।
अपना-पराया कोई नहीं,
सबसे समान व्यवहार।।

बाहर से आ बालक ने जब,
माँ की गोद पाई।
पाया उसके आँचल में,
पूरी दुनिया समाई।।

दया उपाध्याय (स0अ0)
रा0प्रा0वि0उरई
कनालीछीना(पिथौरागढ़)

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। ---- 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

10/9/2020

345

गुरुवार

भारत की नदियाँ

देश की धरती को जो हरा बनाती हैं,
कल-कल की ध्वनि का संगीत सुनाती हैं।
हर नदी उछलती हुई धरा पर चलती है,
जानें कौन सी नदी कहाँ पर बहती है।।

गंगा-गोमुख से निकल,
देश के कण-कण में समाई।
यमुना-यमुनोत्री से है पावन,
उत्तराखण्ड से आई।।

शारदा, कुमाऊं के मिलाम,
हिमनद की देन कहाती।
सतलुज है राकसताल से,
ब्रम्हपुत्र, तिब्बत से आती।।

नर्मदा-सोन नदियाँ दोनों हैं,
अमरकंटक ने जाई।
सतपुड़ा से निकली ताप्ती,
कैलाश-सतलज से आई।।

शिखा वर्मा (इं०प्र०अ०)
पू० मा० वि० स्योढ़ा,
बिसवां, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

10/09/2020

346

गुरुवार

" अधिकार सबको है"

जीने का अधिकार है सबको,
क्यों कहते हो रद्दी बीनो।
बच्चों का बचपन न छीनो,
बच्चों का अधिकार न छीनो।।

खेल कूद पढ़ने की बेला,
कल देगा जो जग को छाया।
उस ज्ञान का बीज तो बो दो,
बच्चों का अधिकार न छीनो।।

हैं असीम आशाएँ जिसमें,
बाल-कल्पना ऊँची मन में।
सपनों का संसार न छीनो,
बच्चों का अधिकार न छीनो।।

हाव-भाव है चल-चितवन में,
छल -कपट न जिसके मन में।
बच्चे बगिया के खिले फूल हैं,
नहीं जानते कहाँ शूल हैं।।

रचयिता-
रेनू मित्तल, अनुदेशक,
उ. प्रा. वि. धौर्रा माफी, जवां

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

10/9/2020

347

गुरुवार

पेड़-पौधों की देखभाल

ईश्वर का वरदान हैं पेड़,
वातावरण की शान हैं पेड़।
मानव की सांस हैं पेड़,
इनकी देखभाल काम है नेक।।

उगता सूरज जब भी आता,
बच्चों, चिड़ियों को चहकाता।
पेड़ों को भी खूब बढाता,
इसलिए सबके मन को भाता।।

प्यास लगे तो पी लें पानी,
पौधों में हम डालें पानी।
बिन पानी हम जी ना पाएं,
फिर क्यों पानी व्यर्थ बहाएं।।

आओ बच्चों देखभाल करें,
हम पेड़ों का ध्यान करें।
जल जरूरी ताप जरूरी,
इनके लिए है खाद जरूरी।।

रचना- रीना रानी (स०अ०),
प्रा० वि० सरूरपुर कलाँ-2,
बागपत, बागपत

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

10/9/2020

348

गुरुवार

फल

आम फलों का है राजा,
कर देता मोटा ताजा।
स्वादिष्ट है बड़ा रसीला,
इससे बनती फ्रूटी, माजा।।

केला लेकर मामा आया,
लेकर हमने मुँह पिचकाया।
सबने बोला बहुत मीठा है,
तब ये मेरे मन को भाया।।

लीची लेकर मौसी आयी,
हम सबके मन को भायी।
मम्मी ने किया बंटवारा,
सब बच्चों ने दो-दो पायीं।।

नानी संतरा, मौसमी लायी,
जूस बनाकर पी लो भाई।
बीमार को हैं इसे पिलाते,
स्वास्थ्य में है बहुत सहाई।।

रचना- मनोज कुमारी (प्र०अ०),
प्रा० वि० गौरीपुर जवाहर नगर,
बागपत, बागपत

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। ---- 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

10/09/2020

349

गुरुवार

विधा- हाइकु

मछली

जल की रानी
होती बड़ी सयानी
जीवन पानी

रंग-बिरंगी
लगती यह प्यारी
सबसे न्यारी

बड़ी चपल
तैरती दिनभर
अति सुंदर

कोई पकड़े
हाथ नहीं ये आए
फिसल जाए

नदी तालाब
होता इसका घर
है जलचर

फेंका जो काँटा
लगाकरके आटा
पकड़ी गयी

रचना- जितेन्द्र कुमार (स०अ०)
प्रा० वि० धनौरा सिल्वर नगर-1
बागपत

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। ---- 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

10/09/2020

350

गुरुवार

भालू और बन्दर की यारी

भालू और बन्दर की यारी,
थी यह जोड़ी बड़ी निराली।
भालू की काया काली-काली,
बन्दर के थी चहरे पर लाली।।

भालू जी थे बड़े आलसी,
कभी न करते थे कुछ काम।
बन्दर जी थे बड़े मनमौजी,
करते धमा चौकड़ी सुबह शाम।।

भालू को बस शहद पसंद था,
बन्दर को पसंद था आम।
शहद चुराना आम तोड़ना,
था बस यही दोनों का काम।।

भालू जी बन्दर को बुलाते,
बैठ दोनों संग घंटो बतलाते।
साथ नाचते गाना गाते,
हर दम रहते थे मुस्काते।।

रचना-
आमिर फारूक (स० अ०)
उच्च प्राथमिक विद्यालय
औरंगाबाद माफ़ी,
सालारपुर, बदायूँ

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। ---- 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

10/09/2020

351

गुरुवार

पुष्प मंजरी

सुरम्य जहाँ की कोमलता हूँ,
रंग बिखेरने आयी हूँ।
सब का मन हर लेती हूँ,
शूलों पर भी खिलती हूँ।।

धरती की बहार हूँ मैं,
सत्कार समादर हार हूँ।
महकी-महकी समाँ हूँ मैं,
अनन्य अनुराग इजहार हूँ।।

तितलियों का रसपान हूँ मैं,
अचला की मैं शान हूँ।
सजने और सजाने आयी,
आदितेय का मान हूँ।।

शुद्धिकरण का उपवास हूँ मैं,
उत्तमता का विश्वास हूँ।
सारे जहाँ का उपहार हूँ मैं,
मृदु भाव आधार हूँ।।

हूँ देव सुन्दरी, परमार्थ वंदनी,
हूँ पुष्प मंजरी, मैं पुष्प मंजरी।।

मदन राज (प्र० प्र० अ०)
रा०प्रा०वि० कुमेरू
(मल्ली रिगोली)
कीर्तिनगर, टिहरी गढ़वाल

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढायें। ---- 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

11/9/2020

352

शुक्रवार

रंगीले पक्षी

सुन लो बच्चों ध्यान लगाकर,
सब चिड़ियों के नाम।
कोयल बोले मीठी बोली,
कौए का है कर्कश काम।।

हरे रंग का तोता होता,
हंस और बगुला होते श्वेत।
गरुड़ है सबका राजा सुन लो,
कीवी होती है अश्वेत।।

नीलकंठ सुन्दर पक्षी है,
चातक-चकवा और तीतर।
मैना और गौरैया, बुलबुल,
बया बनाती सुन्दर घर।।

मुर्गी अण्डा दे, सब खाएं,
मुर्गा देकर बाँग जगाए।
सारस पक्षी है चालाक,
हंस विवेकी सदा कहाए।।

कठफोड़वा लकड़ी खा जाए,
हुदहुद, उल्लू भी लो जान।
खंजन पक्षी शुभदायक है,
मोर हमारा है सम्मान।।

शिक्षा का उत्थान मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान

रचना

शिखा वर्मा (इं०प्र०अ०)
पू० मा० वि० स्योढ़ा,
बिसवां, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

11/9/2020

353

शुक्रवार

ऋतुओं का ज्ञान

ऋतुओं के होते तीन प्रकार,
जाड़ा, गर्मी और बरसात।
तीनों का अपना महत्व होता,
हर मौसम आवश्यक होता।।

जाड़ा जब भी आता है,
मानव ठिठुर-ठिठुर जाता है।
कोहरा और शीतलहर आती,
स्वेटर, कम्बल, रजाई है भाती।।

गर्मी जब भी आती है।।
पसीने से तर कर जाती है।
आइसक्रीम, कुल्फी, लस्सी है भाती,
ए०सी०, पंखे, कूलर की हवा सुहाती।।

बरसात की बात निराली,
बादल, घटा-घनघोर काली।
देखो छम-छम बरसे पानी,
लगती ये ऋतु बड़ी सुहानी।।

रचना- मनोज कुमारी नैन (प्र०अ०),
प्रा० वि० गौरीपुर जवाहरनगर,
बागपत, बागपत

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

शिक्षक का सम्मान

11/09/2020

354

शुक्रवार

"घरों की दुनिया"

शेर को कहते जंगल का राजा,
रहता है वो बड़ी गुफा में।
आओ बच्चों तुम्हें दिखाएं,
झोंपड़ी अपनी, जहाँ में।।

यहाँ बिताते गरीब ज़िन्दगी,
न कोई बड़ा सहारा।
तुम्हें दिखाएं, देश के बँगले,
चकाचौंध करता जिनका नजारा।।

कल घूमे थे टुंड्रा प्रदेश में, बर्फ़ के घर।
हमने इग्लू-इग्लू ही देखे थे जहाँ पर।।
चलो अब देखे नौका घर,
नाव चलती पानी पर।।

देखो वो है तंबू,
इसे बनाते घुमंतू।
ये तो होता घूमता घर,
इसलिए कहलाता तंबू घर।।

रचना-

कल्पना कुमारी (स०अ०)
कं०मॉ०प्रा०वि० हाजीपुर
फतेह खान
धनीपुर, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

शिक्षक का सम्मान

11/09/2020

355

शुक्रवार

"मेरे जीवन का आधार"

बच्चों फूल हो मेरी बगिया के,
तुम आधार हो मेरे जीवन के।
तुम बिन क्या वजूद मेरा,
तुमसे शिक्षक नाम मेरा।।

मैं तुमसे हूँ, तुम जान लो,
खुद को बढ़ाओ, ठान लो,
जो नाम तुम रोशन कर गए,
समझो जीवन हम तर गए।।

नाम तुम्हारा होगा जग में,
फैलो जितना तारे नभ में।
जो कुछ हासिल कर जाओगे,
दक्षिणा अर्पण कर जाओगे।।

ये मेरा ही परम सौभाग्य होगा,
भविष्य तुम्हारा उज्जवल होगा।
ख्याति तो तुम पाओगे,
अमर मुझे कर जाओगे।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

रचयिता-
प्रतिमा पोद्दार
इं. प्र. अ.
प्रा. वि.मनोहरपुर कायस्थ,
लोधा, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

11/09/2020

356

शुक्रवार

स्वर, अनुस्वार तथा विसर्ग ज्ञान

अ से तुम अमरूद लिखो, आ से लिख दो आम।
इ से इमली को लिख दो, ई से ईख तमाम।।

उ से उल्लू को लिखिये, ऊ से लिखिये ऊन।
ऋ से ऋषि जी यज्ञ करें, यज्ञ बिना सब सून।।

ए से एड़ी को लिखो, ऐ ऐनक से शान।
ओ से होती ओखली, औ से औरत मान।।

अं से अंगूर लिखते, अः कर देता गोल।
याद करो दोहावली, ये सब हैं अनमोल।।

रचना- विनय यादव (स०अ०)
प्रा० वि० गोसाइनपुरवा प्रथम
रमियाबेहड़, लखीमपुर खीरी

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

11/09/2020

357

शुक्रवार

कैप्टेन मनोज पांडेय

ए वतन, ए वतन, आज कहते हैं हम,
तेरी रक्षा की खातिर लड़े जाएंगे।
हमने माना कठिन है सफर ये बहुत,
तेरी राहों में फिर भी चले जायेंगे।।

एक जन्मा था लाल, माता की कोख से,
कोई सूरज उगा बादलों की ओट से।
तेरी शान में लुटाएँगे सर आज हम,
कारगिल को लेकिन बचा जाएंगे।।

दुश्मनों ने कभी जो ताका इधर,
दुश्मनों को तबाह हम कर जाएंगे।
एक जीवन तो क्या देश के नाम पर,
जन्म कितने भी लें सब गंवा जाएंगे।।

मनोज था, मनोज है, मनोज रह जायेगा,
काम ऐसा अमर हम कर जाएंगे।
उम्र छोटी सही, देश पर कुर्बान,
जीवन सफल अपना हम बना जाएंगे।।

रचना- डॉ० नीतू शुक्ला (प्र०अ०)
मॉडल प्राइमरी स्कूल बेथर 1
सिकंदरपुर कर्ण-उन्नाव

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

11/09/2020

358

शुक्रवार

सब जाग रहे तू सोता रह

सब जाग रहे तू सोता रह,
किस्मत को थामे तू रोता रह।
माना कि मुश्किल भारी है,
पर तुझमें क्या लाचारी है।

इतनी दूरी तय कर आया,
दो पग चलने में रोता रह ।
बस कुछ दूर ठिकाने हैं,
तू लिहाफ ओढ़ कर सोता रह ।

लहरें तेरे कदमों में हैं,
लहरों पर मोती चमक रहे।
सब जाग रहे तू सोता रह,
किस्मत को थामे तू रोता रह ।

झोंके भी तुझ तक सिमट रहे,
उठ रहे यहा सब गिर गिर कर।
नाउठ तू यों ही लेटा रह,
और सोचता रह यूं रो रो कर।

जो दूर है माना मिला नहीं,
यह हार नहीं बाहर की है।
जो पास है वो भी खोता रह,
भीतर से हिम्मत हारी है।

अब जाग जा तू मत सोता रह,
लिहाफ ओढ़ मत रोता रह।

रचना:
पुष्पा तिवारी
(स0 अ0)
राजकीय जूनियर हाई स्कूल
आमबाग टनकपुर, चम्पावत।

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

12/09/2020

359

शनिवार

यातायात के साधन

आओ बच्चों तुम्हें बताएं,
यातायात के साधन चार।
जल, थल, रेल और हवाई,
परिवहन के हैं आधार।।

कार, बस, मोटरसाइकिल,
सड़क परिवहन कहलाते।
जिनमें बैठकर हम सब,
यहाँ-वहाँ, आते-जाते।।

सरपट दौड़े रेलगाड़ी,
रेलमार्ग से है जाती।
बहुत उपयुक्त है ये साधन,
दूर-दूर तक पहुँचाती।।

मोटरबोट, शिप और नाव,
जल परिवहन कहलाते हैं।
जलमार्ग से चलकर ये,
विदेशों तक पहुँचाते हैं।।

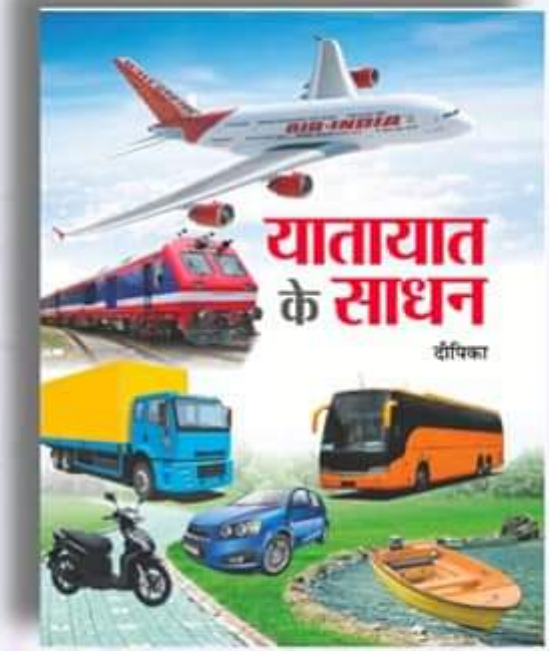

ऐरोप्लेन, हेलीकॉप्टर उड़ते,
दुनिया की सैर कराते हैं।
सात समंदर पार कराते,
आकाश मार्ग से जाते हैं।।

रचना- जितेन्द्र कुमार (स०अ०)
प्रा० वि० धनौरा सिल्वर नगर-1
बागपत

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

12/9/2020

360

शनिवार

मेरी आजादी

आज हमारी आजादी का दिन है,
हम आजाद हैं सुनने में गर्व महसूस होता है।
लेकिन मैं एक स्त्री हूँ,
मेरा आजाद होना अभी बाकी है।।

जकड़ी हूँ मैं पुराने रिवाजों में,
लिबासों की तरह उन्हें भी।
बदलना अभी बाकी है,
मैं स्त्री हूँ मेरा आजाद होना अभी बाकी है।।

पंख तो खोल लिए हैं मैने,
अपनी पूरी तैयारी के साथ।
खुले आसमान में ऊँची उड़ान भरना अभी बाकी है,
मैं स्त्री हूँ मेरा आजाद होना अभी बाकी है।।

लोग क्या कहेंगे और इज्जत के नाम पर,
जो फ्रेम बनें हैं मेरे लिए उन्हें तोड़कर।
खुशी व सम्मान से भरी नई तस्वीर बनना बाकी है,
मैं स्त्री हूँ मेरा आजाद होना अभी बाकी है।।

रचना- सुनीता कुमारी (स०अ०),
प्रा० वि० धनौरा सिल्वर नगर-1,
बागपत, बागपत

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। ---- 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

12-09-2020

361

शनिवार

चलते रहना ही जीवन है...

चलते रहना ही जीवन है,
बढ़ते रहना ही जीवन है।
कर्तव्य पथ पर यूँ ही आगे,
बढ़ते रहना ही जीवन है।।

बिना रुके और बिना थके,
कदम बढ़ाना ही जीवन है।
गिर-गिर उठना, उठ-उठ चलना,
चलते रहना ही जीवन है।।

फल कामना बिन सत्कर्म,
करते रहना ही जीवन है।
सत्य की कठिन राह पे यूँ ही,
चलते रहना ही जीवन है।।

बिन कामना के सत्कर्म,
करते रहना ही जीवन है।
कभी हार से न घबरा कर,
जीत को पाना ही जीवन है।।

रचना- सुप्रिया सिंह
प्रा० वि०- बनियामऊ 1, मछरेहटा, सीतापुर।

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

12/09/2020

362

शनिवार

"पुस्तक एक ज्ञान भंडार"

हिंदी भाषा मुझे बहुत है भाती,
संस्कृति मुझे मेरी सिखाती।
इस पर है मुझे अभिमान,
भावों का इसमें है मान

अंग्रेजी की अदा तो देखो,
मन लगा इसे तुम सीखो।
बोलो इसे जो गिटपिट-गिटपिट,
हो जाओ भाई स्मार्ट और हिट।।

गणित दिखे बड़ा अलबेला,
समझो ना तो लगे झमेला।
एक बार पकड़ जो इस पर हो गई,
समझो जीवन नैया पार हो गई।।

पुस्तक हैं भंडार ज्ञान का,
विषय है थोड़े ध्यान का।
जो तुम ऐसा कर जाओगे,
जीवन पथ पर डट जाओगे।।

रचना-
प्रतिमा पोद्दार (इं.प्र.अ.)
प्रा. वि.मनोहरपुर कायस्थ
लोधा,अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

12/09/2020

363

शनिवार

जानवरों की पहचान

हाथी राजा-हाथी राजा,
दिखते हो तुम बड़े विशाल।
दो दाँतो पर सूँड़ तुम्हारी,
रजवाड़ों की हो तुम निशानी।।

बिल्ली मौसी-बिल्ली मौसी,
दिखती हो तुम काली-पीली।
चूहे को तो लपक के खातीं,
म्याऊं-म्याऊं क्यों तुम चिल्लाती।।

घोड़ा साथी-घोड़ा साथी,
तुम तो हो राहों का साथी।
हिनहिनाना है तुम्हारी पहचान,
और हो तुम महलों की शान।।

शेर राजा-शेर राजा,
तुम तो हो जंगल के राजा।
दिखते हो तुम बड़े भयानक,
दूर भागते जन और जानवर।।

रचना-
कल्पना कुमारी (स०अ०)
कं०मॉ०प्रा०वि० हाजीपुर
फतेह खान
धनीपुर,अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

शिक्षक का सम्मान

12/09/2020

364

शनिवार

पहेली- रंग और फूलों के नाम

आओ ले चले तुम सबको रंग बिरंगी दुनिया में,
जहां पर मिलते लाखों फूल इंद्रधनुष के रंगों में।
इन रंगों को तुम भी जानो, इन फूलों को तुम पहचानो,
भरे हुए हैं रंग अनेक, इनकी सुंदर पंखुड़ियों में।।

1.एक फूल है लाल रंग का, राजा जो कहलाता है।
टेढ़ा मेड़ा बड़ा अनोखा, सबके मन को भाता है।।

2.एक फूल है पीले रंग का, मुख है उसका सूरज जैसा।
बीच में मोती काले काले,जिनसे सब तेल निकाले।।

3.एक फूल है गुलाबी रंग का,कीचड़ में वो खिलता है।
बच्चों बताओ इसका नाम,राष्ट्रीय फूल कहलाता है।।

4.एक फूल है सफेद रंग का, चंपा इसकी सहेली है।
बालों में सुंदर लगता है, खुशबू बहुत अलबेली है।।

5.एक फूल नारंगी रंग का, माला में आता है काम।
कोई बड़ा कोई छोटा है, बच्चों बताओ इसका नाम।।

उत्तर -1-गेंदा, 2- सूरजमुखी, 3-कमल, 4-चमेली, 5-गेंदा

रचना

प्रियंका सक्सैना (स०अ०)
प्रा० वि० बैरमई खुर्द
अम्बियापुर, बदायूँ

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

12/09/2020

365

शनिवार

नन्हीं प्यारी-सी गौरैया, बैठी मेरे पास में आकर।
जैसे कोई छोटा बच्चा, ख़ुश हो माँ की गोद को पाकर।।

थोड़ा झूमी और इठलाई, पर पहले जैसे ढ़ंग नहीं थे।
धुंधला सा था उसका चेहरा, वो सजीले रंग नहीं थे।।

गौरैया

मैंने पूछा तो वह बोली, मेरी जान है ख़तरे में।
गर्मी,सूखा काल है मेरा, जीवन बस पानी के क़तरे में।।

न वह चहकी,न ही महकी, आँखें,पलके बहकी-बहकी।
पंख थे उसके झुलसे-झुलसे, धरती जो है दहकी-दहकी।।

घर-आँगन में छत पर अपनी, दाना पानी डालो तुम।
चीख़-चीख़ कर वह कहती है, मेरी जान बचा लो तुम।।

रचना-
फ़राह हारून (प्र०अ०)
प्रा० वि० मढ़िया भांसी
सालारपुर, बदायूँ

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। ---- 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

12/09/2020

366

शनिवार

जादूगर

आज हमारी कॉलोनी में,
आ पहुँचा इक जादूगर।
और बना डाला इक पल में,
उसने रस्सी को अजगर।।

अंतर-तंतर जंतर-मंतर,
कहकर इक संदुकिया खोली।
उससे निकली इक कठपुतली,
जो इंसानी भाषा बोली।।

फिर जादू की एक छड़ी से,
जादूगर ने किया कमाल।
साड़ी से लंबा कर डाला,
छोटा सा इक लाल रुमाल।।

आखिर में काली टोपी से,
अगड़म-बगड़म की कुछ बात।
चौंक गए सब बच्चे-बूढ़े,
खरगोशों की देख बारात।।

रचना-
अजीत रस्तोगी "सुभाषित" (स०अ०)
पू० मा० वि० सिरासौल-सीताराम
अंबियापुर, बदायूँ

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। ---- 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

12/9/2020

367

शनिवार

हिंदी-भाषा प्यारी

हिंदी सरल बहुत प्यारी है,
जग में यह सबसे न्यारी है।
बच्चे जल्दी बोलना सीखें,
उनको भी लगती प्यारी है।।

बहुत ही सरल है मेरी भाषा,
पढ़ने की इसे जगती आशा।
आओ हम सभी मिल पढ़ते,
शब्द-अर्थ, संज्ञा परिभाषा।।

बाबा-दादी की भी दुलारी,
खुश होते सुन हिंदी हमारी।
यह हमको पढ़ने में भाती,
हिंदी सारे जहां को प्यारी।।

शुद्ध वर्तनी, वाक्य बनाओ,
समानार्थी समान-अर्थ के पाओ।
विपरीत-शब्द विलोम कहाते,
सभी समझकर पढ़ते जाओ।।

रचना- नैमिष शर्मा (स०अ०)
परि० सं० (पू०मा०) वि० तेहरा
मथुरा, मथुरा

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

12/09/2020

368

शनिवार

उत्तराखंड की धरा महान

उत्तराखण्ड की धरा महान,
त्योहारों की अनुपम शान।
रंगीली होली से शुरुआत,
तीज त्योहार सबके घर द्वार।

खुशहाली जब फसलें लाती,
भूमिदेव को भोग लगाते।
देवी देवताओं का होता आह्वान,
इस भूमि की है अद्वितीय शान।

पितृ देव की कृपा निराली,
श्राद्ध तिथि वो अति तृप्तिकारी।
सोलह दिन सुन्दर भोग लगाते,
पित्रों को भूमि पर बुलाते।

कन्या द्विज व बेटियों का पूजन,
गौ कौआ और श्वान का वन्दन।
सबका पूजन अभिनन्दन करते,
पित्र आशीष दे बैकुण्ठ को जाते।

यही हमारी संस्कृति है प्यारी
अति सुखद सम्पन्न निराली।
इस धरती की छटा महान
सबका करती है कल्याण।

रचना:-
किरण जोशी
(प्र0अ0)
रा0प्रा0वि0मैखण्डी मल्ली,
कीर्ति नगर, टिहरी गढ़वाल।

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। ---- 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

13-09-2020

369

रविवार

मुन्नी की गिनती

12345

घर में सबके सामने, मुन्नी बोली एक।
पापा ने उसको दिया, खुश होकर तब केक।।

एक से आगे दो कही, दो से आगे तीन।
सुनकर खुश पापा हुए, लगे बजाने बीन।।

मुन्नी से जब चार का, सुने तभी उच्चार।
पापा-मम्मी को हुआ, दिल में हर्ष अपार।।

चेहरे पर मुस्कान ले, मुन्नी बोली पाँच।
पापा-मम्मी ने किया, ठुमक-ठुमक के नाच।।

रचना

विनय कुमार (स०अ०),
प्रा० वि० गोसाइनपुरवा प्रथम,
रमियाबेहड़, लखीमपुर खीरी

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

13/09/2020

370

रविवार

"मेरी प्यारी नानी"

नानी मेरी प्यारी नानी।
सबसे भोली-भाली नानी।।

मुझको सुबह उठाती हैं,
मंजन रोज कराती हैं।
पास बिठाकर मुझे खिलाएं,
चाहे कितनी करुँ शैतानी।।

मीठा-मीठा हलवा बनाती,
गोद बिठाकर मुझे खिलाती।
दूध नहीं जब पीती हूं मैं,
दूध पिलाती कहकर पानी।।

बातें बहुत बनाती हूँ मैं,
सबके कान खा जाती हूँ मैं।
ऐसा वह मुझसे हैं कहती,
मुझे बताती सब की नानी।।

नानी मेरी प्यारी नानी।
सबसे भोली-भाली नानी।।

रचना
हेमलता गुप्ता (स०अ०)
प्रा०वि० मुकन्दपुर लोधा,
अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

13/09/2020

371

रविवार

"मेरा प्यारा शहर"

अलीगढ़ मेरा प्यारा शहर,
सब शहरों में नहीं न्यारा शहर।
हिंदू-मुस्लिम, सिख-ईसाई,
मिलकर रहते चारों भाई।।

हम अनजान अपने जीवन से,
अंधकार से, उजाले से।
हैं इसमें अलबेले गाँव,
जहां पड़े हैं मेरे पाँव।।

मेहनत ही वह शक्ति है,
यहां दिलों में भक्ति है।
तीन चाबियों की पहने माला,
अलीगढ़ शहर में बनता ताला।।

हम सब का बस एक ही नारा,
अलीगढ़ शहर हो सबसे न्यारा।
अलीगढ़ शहर से ही मेरी पहचान,
जहाँ मिलता है मुझे सम्मान।।

रचना
रेनू मित्तल (अनुदेशक)
उ०मा०वि० धोर्रा माफ़ी जवां,
अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
काव्यांजलि - दैनिक सृजन
शिक्षक का सम्मान
13/09/2020
372
रविवार

"उड़ता परिंदा"

काश मैं उड़ता परिंदा होती,
वन-उपवन में उड़ती फिरती।
यहाँ-वहाँ मैं और मंडराती,
दूर कहीं मैं उड़ती जाती।।

अगर मैं होती उड़ती तितली,
फूलों पर मंडराती रहती।
और उनका मैं रंग चुराती,
हाथ किसी के कभी ना आती।

अगर मैं होती उड़ती बुलबुल,
बागानों में गाती फिरती।
जन-जन का मैं चित्त चुराती,
प्यार सभी का मैं भी पाती।।

अगर मैं होती उड़ती चिड़िया,
दाना चुगने रोज मैं जाती।
भोर होते ही मैं जग जाती,
फिर बागों में चहचहाती।।

रचना-
कल्पना कुमारी (स०अ०),
क० मो०
प्रा० वि० हाजीपुर फतेह खान,
धनीपुर, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

13/09/2020

373

रविवार

"मेरे अनोखे दादाजी"

दादाजी का चश्मा गोल,
दादा मेरे बोले मीठे बोल।
खेलें खेल हरदम साथ,
घुमाएं मुझे पकड़ कर हाथ।।

साथ खिलाते मुझको खाना,
बुनते अगले दिन का ताना-बाना।
दिन भर संग-संग मजे उड़ाना,
अंदाज पुराना पर लगे सुहाना।।

मम्मी जब-जब डांट लगाती,
बिजी हूँ कहके मुझे भगाती।
दादा मुझ संग बिजी हो जाते,
ख्याल एक-दूजे के हमें हैं भाते।।

हरदम लाड लड़ाते वो,
गलती पर मुस्काते वो।
कभी ना मुझको आँख दिखाते,
डांट से सबकी हरदम बचाते।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

रचना-
प्रतिमा पोद्दार(इं.प्र.अ.)
प्रा.वि. मनोहरपुर कायस्थ
लोधा, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

13/09/2020

374

रविवार

"पेड़ ही जीवन"

धरती का अब करो श्रृंगार,
पेड़ लगाओ अब दो-चार।
पेड़ देते हमको ऑक्सीजन,
पेड़ों से है सबका जीवन।।

पेड़ों से मिलती हमको छाया,
इनका फल सबके मन भाया।
नीम की दातून करे कमाल,
भागे मच्छर हुआ धमाल।।

धरती पर जितनी हरियाली,
बाढ़, भूकंप, प्रलय सब भागी।
कर लो जीने की तैयारी,
पेड़ हुए विपदा पर भारी।।

पेड़ों से ही अपनी शान,
बिना पेड़ धरती वीरान।
जितने चाहो पेड़ लगाओ,
धरती को फिर स्वर्ग बनाओ।।

रचना
शिल्पी वार्ष्णेय (स०अ०)
प्रा०वि० मुकन्दपुर लोधा,
अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

13/09/2020

375

रविवार

अच्छी आदतें

सुबह उठो व्यायाम करो,
सूर्य को प्रणाम करो।
सुबह उठो नित्यकर्म करो,
मुँह को धोकर कुल्ला करो।।

नित-प्रतिदिन स्नान करो,
स्नान कर प्रभु भजन करो।
दिनभर अपना कर्म करो,
दुर्बल को मत तंग करो।।

ऐसा कोई कर्म करो,
गरीब की तुम मदद करो।
झूठा मत व्यवहार करो,
सच्चा तुम व्यवहार करो।।

होगा मन विश्वास भरा,
दिल होगा खुशहाल बड़ा।
गैरों से मत बैर करो,
अपनों से स्नेह करो।।

रचना-
रजत कमल वार्ष्णेय (स०अ०)
प्रा० वि० खंजनपुर
इस्लामनगर,बदायूँ

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

13/9/2020

376

रविवार

मेरा जन्मदिन

सूरज निकला मिटा अँधेरा,
चिड़ियों ने भी छोड़ा डेरा।
आज जन्मदिन आया मेरा,
ढेरों खुशियाँ लाया सवेरा।।

सब दोस्तों को बुलाएंगे,
मिलकर मौज मनाएंगे।
घर को भी सजाएंगे,
जन्मदिन हम मनाएंगे।।

मम्मी-पापा, दादा-दादी,
को भी केक खिलाएंगे।
टॉफी भी हम बंटवाएंगे,
समोसे, मिठाई खाएंगे।।

मिलकर धूम मचाएंगे,
सबको केक खिलाएंगे।
एक पौधा भी लगाएंगे,
वातावरण स्वच्छ बनाएंगे।।

रचना- रीना रानी (स०अ०),
प्रा० वि० सरूरपुर कलाँ-2,
बागपत, बागपत

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

13/09/2020

377

रविवार

यातायात के नियम

आओ बच्चों तुमको सैर कराएँ,
यातायात के नियम बतलाएँ।
बाएँ हाथ पर ही चलना,
दाएँ हाथ पर क्रॉस करना।।

लाल-बत्ती कहती थमना,
पीली कहे तैयार रहना।
हरी कहे चलते जाना,
यातायात का पालन करना।।

जेब्रा क्रासिंग पर ही चलना,
सिग्नल देख आगे बढ़ना।
नहीं किया पालन नियम का,
हो भी सकती है दुर्घटना।।

एक बात तुम याद रखना,
वाहन पर नहीं बात करना।
हेल्मेट भी साथ रखना,
ट्रेफिक पुलिस की बात समझना।।

रचना

प्रियंका सक्सैना (स०अ०)
प्रा० वि० बैरमई खुर्द
अम्बियापुर, बदायूँ

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

13/09/2020

378

रविवार

कम्प्यूटर

यंत्र निराला यह कंप्यूटर,
यू० पी० एस० इसे दे पॉवर।
जैसे बिजली के जाने पर,
पॉवर देता है इनवर्टर।।

टी० वी० जैसा दिखता है जो,
कहते हैं उसको मॉनीटर।
रंग-बिरंगे चित्र बहुत से ,
पल में रच देता है प्रिंटर।।

लम्बी-चौड़ी गणनाओं को,
झटपट हल करके दिखलाता।
मानव के मुश्किल कामों को,
इक पल में आसान बनाता।।

यह दुनिया भर के ऑफिस में,
करता रहता अगणित काम।
उपयोगी होने के कारण,
इसका होता ऊँचा दाम।।

रचना-
अजीत रस्तोगी "सुभाषित" (स०अ०)
पू० मा० वि० सिरासौल-सीताराम
अंबियापुर, बदायूँ

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

13/09/2020

379

रविवार

Rainbow

Seven colours of rainbow,
Standing in a cute row.

They are creating sometimes,
A very special bow.

Violet is now singing a song,
Indigo saying ding-ding dong.

Blue is looking very cheerful,
Green seems to be so beautiful.

Yellow is giving a fresh light,
Orange is looking very bright.

Red is now so much glad,
They are making special shade.

Written by_Farah Haroon(H.T)
P.S Madhiya Bhansi Salarpur
(Budaun)

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। ---- 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

13/09/2020

380

रविवार

अच्छे बच्चे कैसे होते?

सुबह-सवेरे जल्दी उठकर,
ध्यान प्रभु का लगाते हैं।
मंजन करके, कुल्ला करके,
साबुन से रोज नहाते हैं।।

नाश्ता करके, ड्रेस पहन के,
स्कूल में पढ़ने जाते हैं।
सब शिक्षकों का कहना माने,
मन पढ़ने में लगाते हैं।।

स्कूल से आकर, ड्रेस बदल कर,
घर के काम करवाते हैं।
फिर थोड़ा सा आराम करके,
स्वाध्याय में लग जाते हैं।।

रात का खाना जल्दी खाकर,
थोड़ा टहल के उसे पचाते हैं।
सब घर वालों को गुडनाइट करके,
बिस्तर पर सोने जाते हैं।।

रचना-
अमित बाबू (स०अ०)
प्रा० वि० करनपुर
बिसौली, बदायूँ

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

13/09/2020

381

रविवार

भारतीय किसान

चीर धरा के वक्ष को सोना लिया उगाय,
अन्न-धन परिपूर्ण, दरिद्रता दूर भगाय।
कर कमलों की अनोखी शान,
उन्नत खेती करे किसान।।

खून-पसीने का हुआ वहन,
करता वर्षा,जाड़ा, धूप सहन।
दिन भर किया अथक परिश्रम,
खाता अपनी मेहनत का अन्न।।

बैलों की जोड़ी ने किया काम महान,
खाया स्वयं पेट भर दूसरों को दिया दान।
खेती करने का, व्रत ये लिया महान,
समय से फसल चक्र अपनाता किसान।।

ऊँच- नीच का रखता न भेद-भाव,
लौट कड़ी धूप से भाती उसे छाँव।
नाम दोनों बैलों के हीरा और मोती,
हरियाली के बीच है लक्ष्मी सोती।।

समय का पाबन्द अन्य नहीं जरूरत,
नये रसायन प्रयोग करता और उचित उर्वरक।
खुश हुआ किसान देख भरा खलिहान,
हुई उन्नति हमारी और देश हुआ महान।।

कमल चन्द्र भट्ट (प्र0अ0)
रा0उ0 प्रा0 वि0 मलुवाताल,
भीमताल, नैनीताल

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

14/09/2020

382

सोमवार

हमारे संसाधन

बच्चों आज तुम्हें बताएँ,
क्या होते हैं संसाधन।
जो भी वस्तु है उपयोगी,
कहलाती है संसाधन।।

अनगिनत वस्तुयें प्रकृति ने,
निशुल्क ही की हैं प्रदान।
उनको उपयोग में लाकर मनुष्य,
करता है कार्य बड़े महान।।

जैसे जल, सूर्य का प्रकाश,
खनिज पदार्थ, वन और मृदा।
ये हैं प्राकृतिक संसाधन,
उपहार रूप में मिले सदा।।

उपलब्ध प्राकृतिक संसाधन का,
रूप बदलकर हो उपयोग।
घर, सड़क, मशीनें, कारखाने,
मानव निर्मित कहते हम लोग।।

रचना-
प्रीति माहेश्वरी (स०अ०)
उ० प्रा० वि० - बिनावर
सालारपुर, बदायूँ

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। ---- 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

14/09/2020

383

सोमवार

ऊँट

लम्बी टांगों वाला होता,
रेगिस्तान का जहाज कहलाता।
पीठ पे इसकी बड़ा-सा कूबड़,
रेत में लम्बी रेस लगाता।।

कूबड़ में संचित रखता भोजन,
विषम परिस्थितियाँ इसका जीवन।
लम्बे समय तक रह सकता है,
बिन खाए कोई भी भोजन।।

दूध, मांस के लिए पाला जाता,
यातायात के भी काम है आता।
बोझा भी इससे लोग हैं ढोते,
गाड़ी में भी यह जोड़ा जाता।।

पेट में इसके बड़ी-सी थैली,
जिसमें संचित रखता पानी।
इक्कीस दिन बिन पानी जीता,
तपते, रेतीले मैदानों में रहता।।

रचना- जितेन्द्र कुमार (स०अ०)
प्रा० वि० धनौरा सिल्वर नगर-1
बागपत

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

14/09/2020 384 सोमवार

"मेरी भाषा हिन्दी"

मेरी भाषा हिन्दी है,
प्यारी भाषा हिन्दी है।
मधुर भाषा हिन्दी है,
प्रेम की भाषा हिन्दी है।।

सब की आशा हिन्दी है,
सब की भाषा हिन्दी है।
सब की अभिलाषा हिन्दी है,
सुख की आशा हिन्दी है।।

देश की भाषा हिन्दी है,
सहज भाषा हिन्दी है।
दिल की धड़कन हिन्दी है,
मातृभाषा हिन्दी है।।

ईमान मेरा हिन्दी है,
पहचान मेरी हिन्दी है।
वतन मेरा हिंदुस्तान,
शान मेरी हिन्दी है।।

रचना-
श्रेया द्विवेदी (स० अ०)
प्रा० वि० देवीगंज
प्रथम कड़ा, कौशाम्बी

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

शिक्षक का सम्मान

14-09-2020

385

सोमवार

हिंदी राजकुमारी है

शीश न झुकने देंगे कभी,
छाई ये सब पे खुमारी है।
हिन्द है यह देश हमारा
और हिंदी राजकुमारी है।।

बिन भाषा के राष्ट्र है गूंगा,
बात ये बिल्कुल सच्ची है।
22 भाषाओं के बीच में,
हिंदी ही अपनी अच्छी है।।

जब भी मन कुछ कहना चाहे,
हिंदी की ही करें सवारी है। हिन्द है....

हिंदी दिवस की शुभकामनाएं

हिंदी ज्यों पतझड़ में सावन,
हिंदी है सबकी मनभावन।
हमारे स्कूल के बच्चों को भी,
हिंदी ही बस लगे लुभावन।।

हिंदी का तो राज एकछत्र,
कश्मीर से कन्याकुमारी है। हिन्द है ...

रचना

रश्मि (प्र.अ.)
प्रा.वि. गुलाबपुर
भाग्यनगर, औरैया।

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

14/9/2020

386

सोमवार

हिन्दी है हमारी माँ

हिन्दी है हमारी माँ जैसी,
सम्मान करें इसका।
भाषा ये जग से निराली,
सब मान करें इसका।।

जब से दुनिया में आए,
बस इसकी छाँव में खेले।
हर खेल-खिलौना मेरा,
हिन्दी भाषा ही बोले।।

हिन्दी में माँ की लोरी,
और प्यार-दुलार बसा है।
हिन्दी के शब्दों से ही,
भारत का संसार बसा है।।

महिमा इसकी सन्तों ने,
हर युग में खूब बखानी।
दिनकर, जयशंकर जी ने,
हिन्दी की महिमा मानी।।

रचना
शिखा वर्मा (इं०प्र०अ०)
पू० मा० वि० स्योढ़ा,
बिसवां, सीतापुर

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। ---- 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

14/9/2020

387

सोमवार

हिंदी से हम

हिंदी से संस्कृति बढ़ती, बढ़ जाते संस्कार हैं।
सुख मिले हर पल सुनें, बोलते इसे समझदार हैं।।

पढ़ रहे बचपन से हिंदी,
लिखते भी सम्मान से।
सारे जगत को सीख दे,
गर्वित करे स्वाभिमान से।।

अन्य भाषाओं को पढ़ना, जरुरी है, मजबूरी है।
हिंदी से हम अपनी सोच में, हिंदी प्रेम जरुरी है।।

अपने देश में मातृभाषा,
क्यों नहीं स्वीकार हो।
सर्वोपरि हर लक्ष्य में हो,
हिंदी भरा सत्कार हो।।

हिंदी बढ़े, हिंदी पढ़ें हम, भारतीय संस्कार हों।
सर्वश्रेष्ठ हो विश्व-पटल पर, सार्वभौमिक विचार हों।।

रचना- नैमिष शर्मा (स०अ०)
पू० मा० वि० तेहरा
मथुरा, मथुरा

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

14/09/2020

388

सोमवार

हिन्दी भाषा

देवनागरी लिपि से हुआ है इसका जन्म,
संस्कृत भाषा से है जिसका घनिष्ठ सम्बन्ध।
सुंदरता, सरलता है जिसकी पहचान,
हिन्दी भाषा है सच में महान।।

जैसी बोलूँ वैसी ही लिखूँ,
हिन्दी को हिन्दुस्तान की पहचान कहूँ।
सब ने इसे दिल से है अपनाया,
राज्य भाषा का दर्जा है इसने पाया।।

ब्रजभाषा, अवधी, खड़ी बोली का है संगम,
हिन्दी में है ना जाने कितने ही रंग।
बायीं से दायीं ओर लिखी है जाती,
हिन्दी देशी-विदेशी दोनों को है भाती।।

रचना-आयुषी पाराशरी (स०अ०)
प्रा० वि० लाही फरीदपुर,
सालारपुर, बदायूँ

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

14/09/2020

389

सोमवार

राष्ट्रभाषा हिन्दी

हिन्दी से हिन्द बना,
हिन्दू से हिन्दुस्तान।
हिन्दू-मुस्लिम, सिख-ईसाई,
चहुँ गौरव की पहचान।।

हिन्द राष्ट्र की मिट्टी से,
उगते हैं नित नए महापुरुष।
इस पूर्ण विश्व के पटल पर,
हिन्दी के हजारों महापुरुष।।

एक हिन्दी धारा बहती है,
कुछ हिन्दी के सेवाकारों से।
एक नयी ऊर्जा मिलती है,
नित हिन्दी के लेखाकारों से।।

एक युवा जोश है इस भारत में,
इस देश की पहचान है हिन्दी।
अमर रहेगी इस देश की शान,
अमर रहेगी इस देश की हिन्दी।।

रचना-
रजत कमल वार्ष्णेय (स०अ०)
प्रा० वि० खंजनपुर
इस्लामनगर,बदायूँ

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

14/09/2020

390

सोमवार

नदी

नदी तो रखती संयम है, राह सरल या दुर्गम है।
बिना रुके बढ़ जाती है, अपनी राह बनाती है।
खो जाती है सागर में, खोने का रखती न ग़म है।।

नदी तो रखती संयम है, समय विषय हो या सम है।
पर्वत को देती चीर है, यह मन से ऐसी धीर है।
बादल को देती पानी है, चले तो बजती सरगम है।।

नदी तो रखती संयम है, बिछड़ गई या संगम है।
इसके दम से हरियाली है, जन-जीवन में ख़ुशहाली है।
ऊषा के संग-संग चलती है, न ठहरे जब होता तम है।।

नदी तो रखती संयम है, सूख जाए फिर भी नम है।
कभी नहीं यह हारे है, पर्वत से आती धारें हैं।
माना कि क़तरा-क़तरा है, पर हिम्मत में यह न कम है।।

नदी-सा रखना संयम है, चाहे कैसा भी मौसम है।
नदी-सा धीरज लाओ तुम, मंज़िल अपनी पाओ तुम।
जब अटल इरादे हों अपने, बने अमावस पूनम है।।

रचना-
फ़राह हारून (प्र०अ०)
प्रा० वि० मढ़िया भांसी
सालारपुर, बदायूँ

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

14/09/2020

391

सोमवार

हिंदी दिवस पर दोहे

हिन्दी भाषी राष्ट्र में, है हिन्दी मजबूर।
पीढ़ी दर पीढ़ी हुए, हम हिन्दी से दूर।।१।।

हिन्दी की हालत यहाँ, ऐसी है बदहाल।
वृद्धाश्रम में छोड़ दे, इक माँ को ज्यों लाल।।२।।

नित प्रति दिन है बढ़ रहा, अंग्रेजी व्यापार।
बिकने को फुटपाथ पर, हिन्दी है लाचार।।३।।

हिन्दी सेवी सब यहाँ, दर-दर ठोकर खाएं,
अंग्रेजी के दास ही, अब तो मौज उड़ाएं।।४।।

हिन्दी घायल है पड़ी, बिन औषधि उपचार?
यवनों के आतंक का, कौन करे प्रतिकार?५।।

हिन्दी की हालत

पहले तो गायब हुई, मानस की मुस्कान।
अपनों के ही वार से, घायल है गोदान।।६।।

तुलसी, सूर, कबीर सा, कौन यहाँ विद्वान।
अब कोई मीरा कहाँ, और कहाँ, रसखान।।७।।

रचना-
अजीत रस्तोगी "सुभाषित" (स०अ०)
पू० मा० वि० सिरासौल-सीताराम
अंबियापुर, बदायूँ

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

शिक्षक का सम्मान

14/09/2020

392

सोमवार

"घूँघट एक अभिशाप"

घूँघट एक अभिशाप है,
ये जबरदस्ती की बात है।
मत करवाओ बहू से घूँघट,
ये तो व्यक्तिगत बात है।।

कुछ कहते हैं बहू को बेटी,
फिर घूंघट क्यों सरताज है।
बेटी तो आँखों से डरा दे,
बहु का नजर मिल जाना भी पाप है।।

ऐसा क्या कुकर्म किया जो ,
मुँह ना दिखाने का श्राप है।
शादी करके बहु बनी सिर्फ,
इसमें घूँघट की क्या बात है।।

बिन घूँघट जब इतनी गर्मी,
घूँघट मैं तो आग है।
मत करवाओ बहु से घूँघट,
ये तो व्यक्तिगत बात है।।

रचना-
कल्पना कुमारी (स०अ०)
मॉ० प्रा०वि० हाजीपुर फतेह खान
धनीपुर, अलीगढ़

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढायें। ---- 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

14/09/2020

393

सोमवार

"मेरे बाग का सेब"

सेब का एक बाग है मेरा,
ईटों का चौतरफा घेरा।
चिड़ियों का उन पर है बसेरा,
चह-चह से उनकी होए सवेरा।।

सेब इसके ताजे, लाल, रसीले,
सुंदर-सुंदर सबको लगें छबीले।
एक रोज जो इसको खाओ,
डॉक्टर को तुम दूर भगाओ।।

स्वाद इसका मुझे है भाता,
रोज तोड़ के इन्हें मैं लाता।
मम्मी-पापा सबको खिलाता,
चेहरों पर चमक ये लाता।।

देख कर इसको मन ललचाए,
पास-पड़ोसी बैठे ताक लगाए।
गुण इसके हैं सब बड़े अनोखे,
जो खावें रहे सदा वो चोखे।।

रचना-
प्रतिमा पोद्दार(इं.प्र.अ.),
प्रा. वि.मनोहरपुर कायस्थ,
लोधा,अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

14/09/2020

394

सोमवार

"मेरे बच्चे मेरे सपने"

मेरे बच्चे मेरे सपने।
मुझको लगते सदा ये अपने।।

सुबह सवेरे वंदन करके,
नित योगभ्यास करायें।
नयी-नयी शिक्षण विधियों से,
हम उनको रोज पढ़ाएँ।।

सर्वांगीर्ण विकास कर इनका,
मिशन प्रेरणा का ज्ञान करना।
ध्यान आकर्षण आधार शिला से,
अधिगम का परिणाम है देना।।

सभी बच्चो को शिक्षित करके,
बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाना।
अपने प्रदेश को उत्तम बनाना,
अब मैंने मन में यह ठाना।।

मेरे बच्चे मेरे सपने।
मुझको लगते सदा ये अपने।।

रचना-
उर्मिला रानी (इं०प्र०अ०)
उ० प्रा० वि० रेसरा
चंडौस,अलीगढ़

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। ---- 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

14/09/2020

395

सोमवार

"पढ़ाई का महत्व"

पढ़ने की तुम महिमा समझो,
इससे बड़ा कोई काम नहीं।
पढ़ लिख कर तुम ज्ञान को बांटो,
इससे बड़ा कोई दान नहीं।।

विषयों के तुम महत्व को समझो,
कोई तुम्हें ना छल पाएगा।
गरीबी, लाचारी, बेकारी कोई भी,
तुम्हें ना बिल्कुल छू पाएगा।।

विद्वानों ने ही इस दुनिया की,
शोभा खूब बढ़ाई है।
अपने ज्ञान के बल पर इन्होंने,
हमको राह दिखलाई है।।

पढ़कर इस संसार को जानो,
इससे बड़ा कोई काम नहीं।
हम सब भी इस राह पर चल दें,
इससे बड़ा कोई काम नहीं।।

रचना :
बीना रानी (स०अ०)
पूर्व मा० वि० पुल नानऊ
जनपद - अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

14/09/2020

396

सोमवार

"प्यारी प्यारी मेरी माँ"

प्यारी प्यारी मेरी माँ,
सारे जग से न्यारी माँ।

लोरी रोज सुनाती है,
थपकी देकर सुलाती है।
जब उतरे आंगन में धूप,
प्यार से मुझे जगाती है।।

देती चीजें सारी माँ,
प्यारी प्यारी मेरी माँ

उँगली पकड़ चलाती है
सुबह-शाम घुमाती है।
ममता भरे हाथों से,
खाना रोज़ खिलाती है।।

देवी जैसी मेरी माँ,
सारे जग से न्यारी माँ।

रचना :
रेनू मित्तल (अनुदेशक)
उ०मा०वि० धोर्रा माफ़ी जवां,
जनपद - अलीगढ़

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। ---- 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

14/09/2020

397

सोमवार

शिक्षक

विद्यालय सब बंद हुए हैं,
फिर भी तू गतिमय आज है।
बच्चा-बच्चा पढ़ना चाहता,
ई-शिक्षा का राज है।।

प्रतिभा, गुणों की कमी नहीं,
बस अवसर के मोहताज हैं।
अंतर्मन में ही रह जाते ,
जाने कितने ख्वाब हैं।।

इन नन्हें हाथों को थामें,
चलना इनके साथ है।
दीक्षा, प्रेरणा, नवाचार,
अब यही तो अपना साज़ हैं।।

बिगुल बजा दो शिक्षा का,
हमको रचना इतिहास है।
धन्य बना दो शिक्षा को,
जग कहे कि तुम पर नाज़ है।।

रचना-
मीनाक्षी रानी (स०अ०)
प्रा० वि० देवसैनी
लोधा, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

14/09/2020

398

सोमवार

"लॉकडाउन में"

कोई पेंटिंग बना रहा है,
कोई सीख रहा गिटार।
कोई क्राफ्ट बना रहा है,
कोई बजा रहा सितार।।

कोई लूडो खेल रहा है,
कोई ऑनलाइन करे पढ़ाई।
कोई सांप सीढ़ी खेल रहा,
कोई घर की करे सफाई।।

कोई खाना बांट रहा है,
कोई मास्क कर रहा दान।
जो कर रहे नि:स्वार्थ सेवा,
उनका कर रहे सब सम्मान।।

कोई नई-नई रेसिपी सीख रहा,
कोई सीख रहा वायलिन।
नरेंद्र कविता लिख-लिख कर,
लॉक डाउन का कर रहे पालन।।

रचना :
नरेंद्र कुमार वर्मा
प्रा०वि० बझेड़ा चंदौस,
जनपद - अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

14/09/20

399

सोमवार

टपका का डर

कक्षा-2
विषय-हिंदी

बारिश में एक छप्पर भीगा,
भीग-भीग कर खूब वो टपका।
दादी को कुछ उपाय न सूझा,
सोचे कैसे रोके वो टपका ।।

ओले पड़े और मौसम बिगड़ा,
बाघ एक जंगल से निकला।
बारिश-ओले से हो परेशान,
छुपने दादी के घर जा पहुँचा।।

बड़-बड़ करती दादी बोली,
ये टप-टप परेशान कर जाती है।
बाघ से डरती नहीं कभी वो,
इस टपके से डर जाती है।।

बाघ ने सुनी दादी की भाषा,
सिर पर पैर वो रख कर भागा।
टपका होगा कोई बड़ा जानवर,
अपनी खैर वो मनाता जाता।।

रचना- डॉ० नीतू शुक्ला (प्र०अ०)
मॉडल प्राइमरी स्कूल बेथर 1
सिकंदरपुर कर्ण-उन्नाव

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

14/09/2020

400

सोमवार

मोबाइल की महिमा

मोबाइल की महिमा का,
हम तुमको ज्ञान कराते हैं।
जो इसका उपयोग ना करते,
वो पिछड़े ही रह जाते हैं।।

मोबाइल से बातें करते,
और संदेश भिजवाते हैं।
सुबह को मोबाइल के अलार्म से,
सब जल्दी उठ जाते हैं।।

मोबाइल बच्चों को पढ़ाता,
मनोरंजन भी कराता है।
गाना सुनाए,पिक्चर दिखाए,
और फोटो भी दिखलाता है।।

इंटरनेट की सुविधा हो तो,
गूगल गुरु बन जाता है।
आपकी हर जिज्ञासा का ये,
समाधान बतलाता है।।

रचना-
अमित बाबू (स०अ०)
प्रा० वि० करनपुर
बिसौली, बदायूँ

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। ---- 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक-

दिन-

साभारः

राज कुमार शर्मा

नवीन पोरवाल

नैमिष शर्मा

जितेन्द्र कुमार

हेमलता गुप्ता

टीम काव्यांजलि सृजन

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढायें। 9458278429